B.Ed. IInd year

Subject :- Knowledge language & Curriculum

Topic :- एकीकृत पाठ्यक्रम (Integrated curriculum)

एकीकृत पाठ्यक्रम को समन्वित पाठ्यक्रम, समेकित पाठ्यक्रम, संकलित पाठ्यक्रम और समाकलित पाठ्यक्रम भी कहते है। एकीकृत पाठ्यक्रम मे सभी विषयो और क्रियाओ को सम्बद्ध किया जाता है। विषयो और क्रियाओ मे साहचर्य एवं सहसम्बन्ध द्वारा पाठ्यक्रम को एकीकृत किया जाता है। आधुनिक मनोविज्ञान ने इस पाठ्यक्रम की धारणा को विकसित किया है। मनोविज्ञान ने यह स्पष्ट किया है कि मस्तिष्क एक इकाई है। मस्तिष्क ज्ञान को पूर्ण रूप मे प्राप्त करता है। वही पाठ्यवस्तु मस्तिष्क मे स्थिर रहती है जो पूर्ण अर्थ देती है। जिस प्रकार मस्तिष्क की विविध क्रियाओ - ज्ञानात्मक, भावात्मक तथा क्रियात्मक - मे समन्वय है उसी प्रकार पाठ्यक्रम मे भी समन्वय होना चाहिए। इस पाठ्यक्रम के विषय एक-दूसरे से इस प्रकार से सम्बन्धित होते है कि उनके बीच कोई अवरोध नही होता। उनमे एकता होती है। सब मिलकर ज्ञान को एक इकाई के रूप मे प्रस्तुत करते है।

विशेषताएँ :-

⇒ इस पाठ्यक्रम मे ज्ञान को समग्र रूप मे प्रस्तुत किया जाता है।

⇒ इस पाठ्यक्रम मे बालक विभिन्न विषयो का ज्ञान एक साथ प्राप्त करते है।

P.T.O.

Scanned with CamScanner

⇒ इस पाठ्यक्रम मे पाठ्यवस्तु का जीवन से घनिष्ठ सम्बन्ध होता है जिससे बालक मे दिन-प्रतिदिन की समस्याओं का समाधान करने की क्षमता उत्पन्न होती है।

⇒ इस पाठ्यक्रम मे समन्वय लाने का मुख्य आधार बालक की क्रिया एवं रुचि को माना जाता है।

⇒ समन्वय या एकीकरण की प्रक्रिया एक विषय की अन्य विषयों के साथ तथा एक विषय के भीतर सम्पन्न की जाती है।

⇒ अधिगम की प्रक्रिया मे सुगमता तथा मितव्ययता और बालक की रुचियों को महत्त्व जीवनोपयोगी शिक्षा प्राप्त होती है।

⇒ यह पाठ्यक्रम विषय केन्द्रित और अनुभव केन्द्रित दोनो ही प्रकार का होता है, लेकिन अनुभव केन्द्रित पाठ्यक्रम मे समन्वय के अवसर अपेक्षाकृत अधिक रहते हैं।

एकीकृत पाठ्यक्रम के प्रयोग मे कठिनाईयाँ :-

⇒ समस्त विषयों का एकीकरण असम्भव है।

⇒ बालक की रुचियों के अनुसार पाठ्यक्रम का एकीकरण असम्भव है।

⇒ इस पाठ्यक्रम मे या तो पाठ्यवस्तु की आवृत्ति होती है अथवा कुछ पाठ्यवस्तु छूट जाती है।

⇒ इसके द्वारा छात्रों की विशिष्ट रुचियों का विकास कठिन है।

⇒ इसके द्वारा शिक्षण मे अधिक समय लगता है, और शिक्षक का कार्य बढ़ जाता है।

⇒ हेन्डरसन का मत है कि माध्यमिक स्तर पर विषयों का एकीकरण करना बहुत बड़ी गलती होगी।

Thankyou

by
Mr. Parveen Raj
Asst. Prof
B.R.C. Deoband
(SRE)